डाक पंजी. संख्या UA/DO/DDN/151/2019-2021

हरिद्वार, 8 मार्च, 2019 'विक्रम संवत 2075'

# स्वदेश स्वाभिमान

मासिक

R.N.I. No.: UTTHIN/2013/51354

www.swadeshswabhiman.com
www.epaper.swadeshswabhiman.com
www.facebook.com/swadeshswabhiman

वर्ष 06 अंक 07 पृष्ठ 4+2 ₹ 3/-

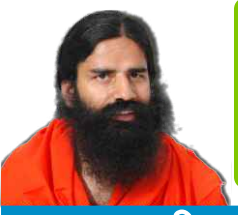

भगवान् महान् कार्य करने के लिए तुम्हारा चयन करना चाहते हैं। तुम उस विराट् को अपने भीतर समग्रता से उतरने तो दो।

विचारवान् व संस्कारवान् ही अमीर व महान् है तथा विचारहीन व संस्कारहीन ही कंगाल, दरिद्र व बदनाम है।

## गुरुवाणी

## शाश्वत प्रज्ञा –

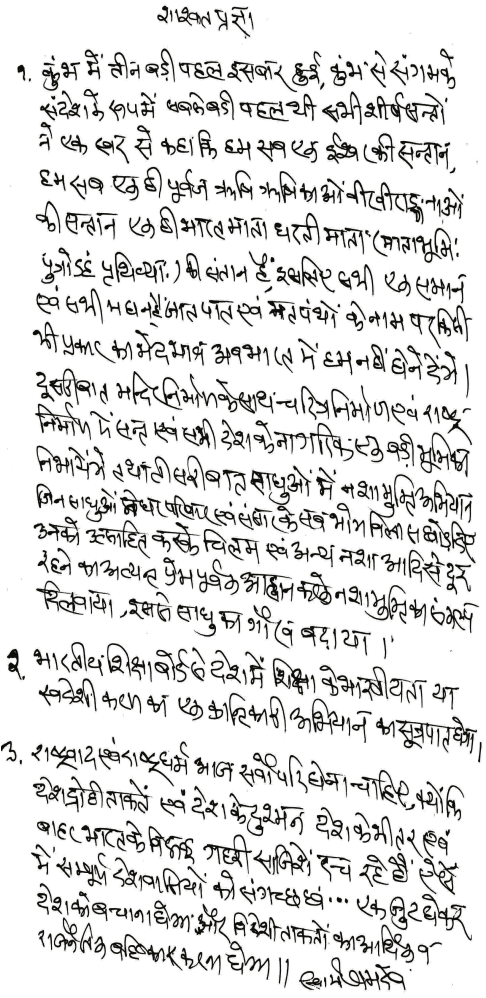

## आयुर्वेद अमृत

## आयुर्वेद में वर्णित अजीर्ण का स्वरूप, कारण व भेद

**अत्यल्प भोजन न करना–** बहुत अल्प भोजन करने वाले व्यक्ति को अत्यग्नि (भूख की अधिकता) से होने वाले विकार कृशता, भ्रम, अतृप्ति, लघुता (शरीर का छोटा व हल्का रहना) आदि होते हैं। इससे निद्रा, मूत्र तथा बल का क्षय आदि दोष होते हैं।

**अतिद्रवाशनाज्जन्तोरुत्क्लेशो बहुमूत्रता।**
**पार्श्वभेदः प्रतिश्यायो विड्भेदश्चोपजायते।।**

**अति तरल भोजन न करना–** बहुत अधिक द्रव (तरल) भोजन करने से व्यक्ति को उत्क्लेश (जी मिचलाना), बहुमूत्र, पार्श्वभेद (बगल में पीड़ा), प्रतिश्याय (जुकाम), विड्भेद (मत का भेदन या पतलापन) हो जाता है।

**अतिशुष्काशनं चापि विष्टभ्य परिपच्यते।**
**पूर्वजातरसं जग्ध्वा कुर्यान्मूत्रकफक्षयम्।।**

**अतिशुष्क भोजन न करना–** अतिशुष्क भोजन जलीय अंश के अभाव में विष्टब्ध होकर पचता है। वह पहले उत्पन्न हुए रस को अपने में मिलाकर मूत्र व कफ का क्षय करता हैं। अतः अतिशुष्क भोजन नहीं करना चाहिए।

**मोहात् प्रमादाल्लौल्याद्वा यो भुङ्क्ते ह्यप्रकाङ्क्षितः।**
**अविपाकारुचिच्छर्दिशूलानाहान् समृच्छति।।**

**भूख न होने पर भोजन न करना–** जो मनुष्य भूख न होने या भोजन की रुचि न होने पर भी मूढ़ता, प्रमाद अथवा जिह्वालौल्य (चटोरेपन) के कारण भोजन कर लेता है, उसे अविपाक (भोजन का न पचना), अरुचि, उल्टी, शूल तथा आनाह (पेट का तन जाना) आदि रोग हो जाते हैं।

**प्रतान्तभोक्तुस्तृष्मूर्च्छा वह्निसादोऽङ्गसीदनम्।**
**ज्वरः क्षयोऽतिसारो वा मन्दत्वं दर्शनस्य च।।**

**प्रतान्त होने पर भोजन न करना–** प्रतान्त अर्थात् दोषों की वृद्धि से ग्लान होने पर भोजन करने वाले व्यक्ति को तृषा, मूर्छा, मन्दाग्नि, अंगपीडा, ज्वर, क्षय, अतिसार, दृष्टिमन्दता आदि रोग हो जाते हैं।

अतः प्रतान्त होने की अवस्था में भोजन नहीं करना चाहिए।

आचार्य बालकृष्ण

## संस्थान समाचार

पुलवामा हमले में शहीद जवानों को पतंजलि योगपीठ परिवार की ओर से पूज्य आचार्य बालकृष्ण जी महाराज, श्री अजय आर्य जी, गणमान्य अधिकारियों एवं छात्र-छात्राओं द्वारा यज्ञ एवं कैंडल मार्च निकाल कर श्रद्धांजलि दी।

नोएडा विशेष कार्यक्रम में श्रद्धेय स्वामी जी महाराज एवं श्रीगोपाल कृष्ण अग्रवाल जी (भाजपा प्रवक्ता)।

गुजरात में योग-शिविर में पूज्य मोरारी बापू जी, श्रद्धेय स्वामी जी महाराज एवं गुजरात में मुख्यमंत्री, श्री विजय रूपाणी जी से वैदिक शिक्षा, योग-आयुर्वेद एवं गो-संवर्धन हेतु चर्चा।

नई दिल्ली SRCC बिजनेस कांक्लेव में श्रद्धेय आचार्य श्री द्वारा भारतीय संस्कृति एवं स्वदेशी पर उद्बोधन।

कर्नाटक में श्रद्धेय स्वामी जी महाराज को पीठाधीश्वर पूज्य स्वामी निर्मलानन्द नाथ जी महाराज द्वारा 6वें वार्षिकोत्सव में अभिनन्दन।

पुलवामा हमले में शहीद जवानों को श्रद्धांजलि देते श्रद्धेय स्वामी जी महाराज।

पतंजलि योगपीठ में आयोजित 11वां माघ पूर्णिमा में पूज्य आचार्य श्री द्वारा वैदिक धर्म शास्त्र विचारक श्री परमहंस शिवनारायण जी का अभिनन्दन।

श्रद्धेय आचार्य श्री द्वारा नेपाल में योग-आयुर्वेद के विस्तार हेतु कार्यकर्ता बैठक एवं आशीर्वाद।

प्रयागराज में पूज्य स्वामी रामदेव जी महाराज, श्री अमित शाह जी (भाजपा-अध्यक्ष), पू.स्वामी अवधेशानंद गिरि जी महाराज, पू.स्वामी चिदानंद मुनि जी महाराज, योगी आदित्यनाथ जी, श्री मदन लाल जी व बहन वसुंधरा राजे जी।

हमारे सैनिकों ने सर्वोच्च बलिदान देकर भी इस देश की रक्षा की है :पू.स्वामी जी महाराज

## श्रद्धांजलि : पतंजलि योगपीठ में पुलवाला आतंकी हमले में शहीद जवानों को दी गई 'श्रद्धांजलि'

### » इन वीरों की आत्मा को परमात्मा के चरणों में स्थान मिले :श्रद्धेय आचार्य श्री

**हरिद्वार।** पुलवामा आतंकी हमले में वीरगति को पाने वाले केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवानों को पतंजलि योगपीठ में भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर योगर्षि स्वामी रामदेव जी महाराज ने वैदिक गुरुकुलम् स्थित यज्ञशाला में प्रातःकाल यज्ञ में आहुतियां देकर शहीदों की आत्मा को शांति प्रदान करने व राष्ट्र के एकता, अखंडता, संप्रभुता व हमारी आजादी अक्षुण्ण रहे, इसके लिए वैदिक राष्ट्रगीत के माध्यम से परमात्मा से प्रार्थना की। इस अवसर पर कोरिया से पतंजलि योगपीठ के प्रतिनिधि श्री अभिषेक जी सहित अनेक महानुभाव उपस्थित थे।

■ पतंजलि योगपीठ में आयोजित श्रद्धांजलि सभा को संबोधित।

इसी क्रम में सायंकाल परम पूज्य स्वामी रामदेव जी महाराज एवं श्रद्धेय आचार्य बालकृष्ण जी महाराज के सान्निध्य में पतंजलि आयुर्वेद महाविद्यालय, पतंजलि चिकित्सालय तथा पतंजलि के सैकड़ों कर्मयोगी भाई-बहनों ने देश के वीर शहीद जवानों के सम्मान में पतंजलि योगपीठ के प्रथम चरण स्थित यज्ञशाला से यज्ञ किया तथा वहाँ से पतंजलि योगपीठ, द्वितीय चरण तक वन्दे मातरम् व भारत माता की जय के नारों के साथ कैंडल मार्च निकालकर अपनी हृदय की गहराइयों से श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान सभी के चेहरों पर राष्ट्रभक्ति के गौरव के साथ शहादत का शोक व आक्रोश भी देखा गया।

इस अवसर पर श्रद्धेय स्वामी जी महाराज ने कहा कि आज सारा देश शहीदों के परिवारों के साथ खड़ा है। शहीद परिवारों के बच्चों की शिक्षा-दीक्षा के लिए पतंजलि अग्रणी भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि पतंजलि योगपीठ का संकल्प है कि हमारी एक-एक श्वास मातृभूमि के लिए हो। सम्पूर्ण राष्ट्रवासी एकजुट रहें तथा राष्ट्र, धर्म व संस्कृति के लिए संगठित होने का सामूहिक संकल्प लें। पतंजलि योगपीठ की प्रत्येक भूमिका राष्ट्र के लिए होती है। उन्होंने कहा कि सभी सीमा पर तो नहीं जा सकते, लेकिन यह संकल्प कर सकते हैं कि मेरा प्रत्येक कार्य राष्ट्र की सेवा में हो। आज सारा देश शहीदों के साथ खड़ा है। हम इन शहीदों के त्याग, तपस्या एवं बलिदान को नमन करते हैं। उन्होंने कहा कि आज देश में अनेक जगह राष्ट्र विरोधी नारे सुनाई देते हैं,

शेष पेज नं. (2) पर...

## वैदिक शिक्षा बोर्ड : वैदिक शिक्षा के लिए मिली मंजूरी, शुरु होगा BSB बोर्ड, योगर्षि स्वामी जी महाराज होंगे अध्यक्ष

गुवाहटी (असम)। महर्षि सांदीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान (MSRVVP) की गवर्निंग काउंसिल ने वैदिक शिक्षा के लिए देश का पहला स्कूल बोर्ड स्थापित करने के लिए योगर्षि स्वामी रामदेव जी महाराज के पतंजलि योगपीठ को आधिकारिक रूप से चुना है। यानी भारतीय शिक्षा बोर्ड (BSB) के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई हैं।

वहीं इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार पहले ही इस बात की जानकारी दे दी गई थी कि भारतीय शिक्षा बोर्ड (BSB) के चेयरपर्सन योगर्षि स्वामी रामदेव जी महाराज होंगे, इस वैदिक यूनिवर्सिटी का संचालन श्रद्धेय स्वामी जी महाराज की कम्पनी पतंजलि की ओर से किया जाएगा। वहीं पतंजलि के चयन के साथ, मान्यता प्राप्त होने वाला पहला निजी स्कूल बोर्ड होगा, वहीं किसी भी स्कूल में बोर्ड की तरह, BSB सिलेबस का मसौदा तैयार करेगा, वहीं परीक्षा आयोजित की जाएगी और एफिलिएटिड स्कूलों को प्रमाणपत्र जारी किए जाएंगे।

हालांकि, केंद्रीय मानव संसाधन विकास (HRD) मंत्री श्री प्रकाश जावड़ेकर जी अध्यक्षता वाली MSRVVP गवर्निंग काउंसिल ने यह भी निर्णय लिया कि पतंजलि की ओर से संचालित BSB वैदिक शिक्षा को आधुनिक शिक्षा के लिए एफिलिएटिड स्कूलों में पेश करेगा। ११ फरवरी को MSRVVP की ओर से जारी किए गये एक्सप्रेशन ऑफ इंट्रेस्ट (EOI) के अनुसार, ठैठ का अर्थ था "वैदिक शिक्षा, संस्कृत शिक्षा, शिक्षा और शिक्षा के क्षेत्र में भारतीय पारम्परिक ज्ञान, भारतीय कला और भारतीय परम्परा और संस्कृत जैसे पारम्परिक ज्ञान प्राप्त करना है।"

गौरतलब है कि साल २०१५ में योगर्षि स्वामी रामदेव जी महाराज ने सरकार को वैदिक शिक्षा के लिए एक स्कूल बोर्ड स्थापित करने के लिए प्रेरित किया था। लेकिन मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने इसके लिए संसोधन का निवेदन किया। उसके बाद २०१६ में श्रीमती स्मृति ईरानी जी ने वेद विद्या के इस प्रस्ताव को आगे बढ़ाया था।

## नेपाल भ्रमण: श्रद्धेय आचार्य श्री ने किया नेपाल में पतंजलि योग समिति के कार्यों का निरीक्षण

विगत दिनों परम श्रद्धेय आचार्य बालकृष्ण जी महाराज ने नेपाल में विविध क्षेत्रों का भ्रमण कर संगठन के कार्यकर्त्ताओं का उत्साहवर्धन किया। प्रवास के दौरान श्रद्धेय आचार्य श्री ने अनेक स्थानों पर बच्चों को योग सिखाया तथा उन्हें प्रतिदिन योग करने का संकल्प दिलाया। उन्होंने कई ऐतिहासिक स्थानों का भ्रमण भी किया। नेपाल में योग के प्रचार-प्रसार में लगे संगठन के कर्मठ कार्यकर्ताओं एवं योगशिक्षकों के साथ बैठकें आयोजित कर संगठन के कार्यों की जानकारी ली। श्रद्धेय आचार्य श्री ने नेपाल के गंडकी प्रांत के माननीय मुख्यमंत्री श्री पृथ्वी सुब्बा जी व

शेष पेज नं. (3) पर...

## उद्बोधन : विदेश जाना हल नहीं, देश के लिए कुछ करने का जज्बा रखना जरुरी....

### »SRCC बिजनेस कांक्लेव में पूज्य आचार्य श्री बोले- 'बड़ा बनने की कोशिश करें'

**नई दिल्ली।** युवा हमारे देश का भविष्य हैं। युवाओं को शिक्षा के साथ-साथ नई पहल के लिए भी खुद को तैयार करना होगा। शिक्षा हासिल करने के बाद विदेश चले जाना कोई हल नहीं है। परम्परा और संस्कृति को बरकरार रखते हुए देश के लिए कुछ कर गुजरने का जज्बा भी होना चाहिए।

पतंजलि के सीईओ पूज्य आचार्य बालकृष्ण जी महाराज ने श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स (SRCC) में आयोजित बिजनेस कॉक्लेव-२०१९ के द्वितीय सत्र में ये बातें कहीं। कार्यक्रम में अमर उजाला प्रिंट मीडिया पार्टनर है। पूज्य आचार्य श्री ने मल्टीनेशनल कम्पनियों पर निशाना साधते हुए कहा कि उत्पादों की बिक्री बढ़ाने के लिए अक्सर अश्लील विज्ञापनों का सहारा लिया जाता है, लेकिन पतंजलि केवल आयुर्वेदिक जड़ी बूटी की गुणवत्ता के दम पर बिक्री कर रहा है। उन्होंने बताया कि कम्पनी से करीब ३०,००० लोगों को सीधे तौर पर रोजगार मिला है, जबकि अप्रत्यक्ष तौर पर एक लाख से भी अधिक लोग जुड़े हुए हैं। श्रद्धेय आचार्य श्री ने युवाओं से अपील की कि बड़ा बनने की कोशिश करते हुए आत्मविश्वास को कम न होने दें। इससे दूसरों के लिए आप प्रेरणा स्त्रोत होंगे। **-साभार : अमर उजाला***

### पुलवाला घटना के शहीदों की याद में रखा मौनः

पुलवाला हमले में शहीद हुए जवानों की याद में २ मिनट का मौन रखा गया। कार्यक्रम के दौरान पूज्य आचार्य श्री ने देश की रक्षा के लिए खुद को समर्पित करने वाले जवानों को याद किया। युवाओं से देश हित में आगे बढ़ते रहने की सलाह दी गई ताकि किसी भी क्षेत्र में खुद को देश के लिए समर्पित कर सकें।

## बैठक : आर्य समाज नारसन कलां के वार्षिक उत्सव में मुख्य अतिथि ने कहा कि हमेशा "सत्य की राह पर चले दयानन्द जी"

### »'ओम' से बड़ा कोई नाम नहीं : श्रद्धेय स्वामी जी महाराज

**नारसन (हरिद्वार)।** योगर्षि स्वामी रामदेव जी महाराज ने कहा कि महर्षि दयानन्द जी ने आर्य समाज की स्थापना कर सोते हुए देश को जगाने का काम किया। इस समाज का मकसद ही संसार का उपकार करना है। ओम से बड़ा कोई नाम नहीं और गायत्री से बड़ा कोई मंत्र नहीं है।

आर्य समाज मंदिर नारसन कलां के ८१वें वार्षिक उत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में पहुँचे योगर्षि स्वामी रामदेव जी महाराज ने कहा कि महर्षि दयानन्द जमाने की परवाह किए बगैर सत्य की राह पर चलते रहे और लोगों को संस्कार करने की लगातार सीख दी। उन्होंने कहा कि संसार का उपकार करना ही आर्य समाज का असली मकसद है देश संस्कारवान और चरित्रवान बने। इस मिशन को चलाने वाला आर्य समाज है।

उन्होंने कहा कि विचार ही इंसान को अच्छा और बुरा बनाती है। महर्षि दयानन्द ने देश को अच्छा विचार दिया। इसके बाद देश में आजादी की जंग लड़ी। उन्होंने कहा कि वह भी महर्षि दयानन्द के बताए मार्ग पर चल रहे हैं। लोगों को जागृत करने के लिए उन्होंने भी अभी तक करीब बीस लाख किलोमीटर की यात्रा की है। श्रद्धेय स्वामी जी महाराज ने देखा ना कोई दूजा, ऋषिवर तेरे जैसा। एक और सारी दुनिया एक और वह अकेला, दुनिया के हर सितम को मर्दानगी से झेला। भजन के माध्यम से लोगों को भाव विभोर कर दिया। उन्होंने लोगों का आह्वान करते हुए कहा कि नियमित रूप से योगाभ्यास करें, संस्कारवान बने और विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार करें। वैज्ञानिक दृष्टिकोण रखेंगे तभी जीवन सफल हो पाएगा। इस मौके पर स्वामी सत्यानन्द, स्वामी यजमुनि, घनश्याम प्रेमी, आजाद, निकिता, प्रवेश, राजीव, जितेंद्र, अतुल, आनन्द स्वरूप, जयपाल आदि मौजूद थे। **-साभारः हिन्दुस्तान***

## योग शिविर : नडियाद में श्रद्धेय स्वामी जी महाराज की उपस्थिति में त्रिदिवसीय योग शिविर हुआ।

### »प्रातःकाल योग शिविर में उमड़ा योग-साधकों का जन-सैलाब....

नडियाद (गुजरात)। नडियाद में आज योग शिविर की शुरूआत हुई है। प्रातःकाल योग शिविर में श्रद्धेय स्वामी जी महाराज के साथ योग आसन करने के लिए योगसाधकों का उमड़ा जन-सैलाब। जहाँ उन्होंने संतराम मंदिर के प्रांगण में हजारों नागरिकों के योग और ध्यान योग शिविर में मंत्रमुग्ध कर दिया।

त्रिदिवसीय योगशिविर के लिये आज संतराम मंदिर के प्रांगण में प्रातः जल्दी योग ध्यान शिविर में श्रद्धेय स्वामी जी महाराज उपस्थित रहे थे। इस शिविर में भाग लेने के लिए नडियाद के नागरवासियों की भारी संख्या में योग करने हेतु उपस्थित रहे। जहां श्रद्धेय स्वामी जी महाराज की अध्यक्षता में योग और ध्यान के विविध आसन सब ने किये।

तीन दिवसीय योग शिविर का आयोजन पतंजलि योग समिति के द्वारा किया गया। श्रद्धेय स्वामी जी महाराज ने अपने अनोखे अंदाज में योग शिविर में आसन करके दिखाये एवं सभी को देश के उत्थान एवं मजबूत बनाने के लिए योग, आयुर्वेद एवं स्वदेशी अपनाने के लिए आह्वान किया। सभी कार्यकर्त्ता भाई-बहनों को दैनिक योग कक्षा के विस्तार हेतु मार्गदर्शन एवं आशीर्वाद प्रदान किया। उनके साथ नडियाद शहर और खेड़ा जिला के लोगों को भी मंत्रमुग्ध कर दिया था। नडियाद के इस ऐतिहासिक संतराम मंदिर में आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग जुड़े थे।

## पतंजलि योगपीठ में पुलवाला आतंकीय हमलें में शहीद जवानों को दी श्रद्धांजलि... ....शेष पेज नं. (1) का

लेकिन मैं पूर्ण विश्वास के साथ कहता हूँ कि हमारे यहाँ विद्या पाने वाले विद्यार्थी कभी भी देश के साथ धोखा नहीं करेंगे। हमने देश-द्रोह की साजिश रचने वालों के सामने देशभक्ति का इण्डा फहराया है। उन्होंने कहा कि आतंकवाद पर छोटे से देश इजराइल से भारत को सीखने की आवश्यकता है। आतंकवादी चाहे देश के भीतर हो या देश के बाहर से आये, एक भी आतंकवादी जिन्दा नहीं बचना चाहिए, ऐसी नीति भारत सरकार को बनानी होगी, क्योंकि आतंकवादी पूरी मानवता के लिए सबसे बड़ा खतरा है।

इस अवसर पर श्रद्धेय आचार्य बालकृष्ण जी महाराज ने पुलवामा में हुए घृणित आतंकी हमले में बलिदानी वीर शहीद जवानों को भावपूर्ण नमन करते हुए कहा कि शहीदों के परिजनों के साथ हमारी संवेदनाएं हैं, ईश्वर शोक संतापत परिवारों के इस घड़ी में हिम्मत दें। इन वीरों की आत्मा को परमात्मा के चरणों में स्थान मिले। उन्होंने कहा कि पतंजलि योगपीठ आध्यात्मिक, धार्मिक एवं राष्ट्रीयता की भावनाओं से ओत-प्रोत संस्थान है। जब से यह घटना घटी है तब से हमारे विद्यार्थी, शिक्षकगण, चिकित्सक सभी अपने-अपने स्तर पर इस घृणित कृत्य की निंदा कर प्रदर्शन कर रहे हैं। जिन वीरों ने मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने प्राण न्यौछावर किये हैं, उन शहीद आत्माओं के स्मरण से ही हम सभी भारतवासियों में राष्ट्र के प्रति कुछ कर गुजरने की भावना का संचार होता है।

## स्वमन्तव्यामन्तव्यप्रकाशः

**19.** जो सदा विचारकर असत्य को छोड़ सत्य का ग्रहण करें, अन्यायकारियों को हटावे और न्यायकारियों को बढ़ावे, अपने आत्मा के समान सबका सुख चाहे, सो **'न्यायकारी'** है, उसको मैं भी ठीक मानता हूँ।

**20.** **'देव'** विद्वानों को और अविद्वानों को **'असुर'**, पापियों को **'राक्षस'**, अनाचारियों को **'पिशाच'** मानता हूँ।

**21.** उन्हीं विद्वानों, माता, पिता, आचार्य, अतिथि, न्यायकारी राजा और धर्मात्मा जन, पतिव्रता स्त्री और स्त्रीव्रत पति का सत्कार करना **'देवपूजा'** कहाती है, इससे विपरीत **'अदेवपूजा'** इनकी मूर्तियों को पूज्य और इतर पाषाणादि जड़मूर्तियों को सर्वथा अपूज्य समझता हूँ।

**22.** **'शिक्षा'** जिससे विद्या, सभ्यता, धर्मात्मता, जितेंद्रियतादि की बढ़ती होवे और अविद्यादि दोष छूटें, उसको शिक्षा कहते हैं।

**23.** **'पुराण'** जो ब्रह्मादि के बनाए, ऐतरेयादि ब्राह्मण-पुस्तक हैं, उन्हीं को पुराण, इतिहास, कल्प, गाथा और नाराशंसी नाम से मानता हूँ, अन्य भागवतादि को नहीं।

**24.** **'तीर्थ'** जिससे दुःखसागर से पार उतरे, यानि कि जो सत्यभाषण, विद्या, सत्संग, यमादि योगाभ्यास, पुरुषार्थ, विद्यादानादि शुभ कर्म हैं, उन्हीं को तीर्थ समझता हूँ, इतर जलस्थलादि को नहीं।

**25.** **'पुरुषार्थ प्रारब्ध से बड़ा'** इसलिए है कि जिससे संचित प्रारब्ध बनते, जिसके सुधरने से सब सुधरते और जिसके बिगड़ने से सब बिगड़ते है, इसी से प्रारब्ध की अपेक्षा पुरुषार्थ बड़ा है।

**26.** **'मनुष्य'** को सबसे यथायोग्य स्वात्मवत् सुख-दुःख हानि-लाभ में वर्त्तना श्रेष्ठ, अन्यथा वर्त्तना बुरा समझता हूँ।

**27.** **'संस्कार'** उसको कहते हैं कि जिससे शरीर, मन और आत्मा उत्तम होवे। वह निषेकादि श्मशानान्त सोलह प्रकार का है। इसको कर्त्तव्य समझता हूँ। और दाह के पश्चात् मृतक के लिए कुछ भीन करना चाहिए।

**28.** **'यज्ञ'** उसको कहते हैं कि जिसमें विद्वानों का सत्कार, यथायोग्य शिल्प अर्थात् रसायन जो कि पदार्थविद्या, उससे उपयोग और विद्यादि शुभगुणों का दान, अग्निहोत्रादि जिनसे वायु, वृष्टि, जल ओषधि की पवित्रता करके सब जीवों को सुख पहुँचाना है, उसको उत्तम समझता हूँ।

## »पतंजलि योगपीठ में माघ पूर्णिमा पालन समारोह में की गई चर्चा

## 110वाँ माघ पूर्णिमा यज्ञः वैदिक धर्म वैदिक सभ्यता का मूल

**हरिद्वार।** पतंजलि योगपीठ में ११०वां माघ पूर्णिमा पालन समारोह के दौरान यज्ञ आहुति और शास्त्र चर्चा की गई। आयोजन के प्रातःकाल सत्र में योगर्षि स्वामी रामदेव जी महाराज यज्ञ के बाद साधकों को योगाभ्यास कराया। इस मौके पर पतंजलि योगपीठ के महामंत्री पूज्य आचार्य बालकृष्ण जी महाराज ने कहा कि वैदिक धर्म वैदिक सभ्यता का मूल है।

वैदिक धर्म शास्त्र विचार सभा में परमहंस शिवनारायण स्वामी महाराज ने कहा कि वैदिक धर्म में आत्मा और ब्रह्म के संबंध को बहुत अधिक महत्त्व दिया गया है। उन्होंने कहा कि जिसे इस बात का ज्ञान हो जाएगा कि इस समस्त सृष्टि के कण-कण में ब्रह्म का वास है वह किसी पर नाराज नहीं होगा और न ही किसी के साथ बुरा व्यवहार करेगा। कार्यक्रम में पूज्य आचार्य बालकृष्ण जी महाराज ने कहा कि वैदिक धर्म वैदिक सभ्यता का मूल है। वैदिक सनातन वर्णाश्रम और आधुनिक हिन्दू धर्म इसी धार्मिक व्यवस्था पर आधारित हैं। उन्होंने कहा कि प्राचीन वैदिक सनातन वर्णाश्रम धर्म का धार्मिक व्यवहार विभिन्न वेद शाखा संबद्ध कल्पसूत्र, श्रौतसूत्र, गृह्यसूत्र, धर्मसूत्र आदि ग्रन्थों पर आधारित है। इसके अलावा अर्वाचीन वैदिक आर्य समाज केवल वेदों के संहिता खण्ड को ही स्वीकारते हैं। पूज्य आचार्य श्री ने कहा कि धर्म को पाने के लिए भी तप करना जरूरी है और तप के लिए इंद्रियों पर संयम होना अति आवश्यक है। (ब्यूरो) **-साभारः अमर उजाला***

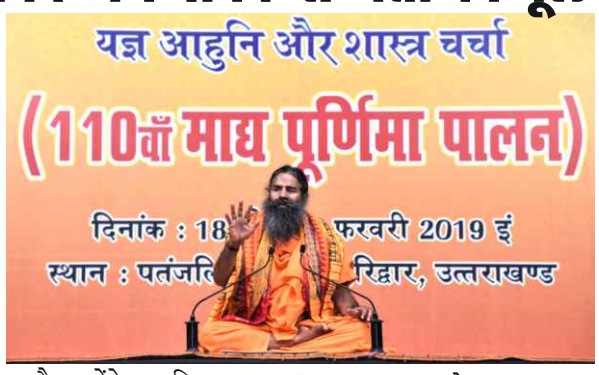



## प्रवेश सूचना गुरुकुल किशनगढ़-घासेड़ा में केवल बालकों के लिए प्रवेश हेतु

परम पूज्य योगर्षि स्वामी रामदेव जी महाराज की प्रेरणा से आचार्यकुलम् शिक्षण संस्थान (रजि.) कृपालुबाग आश्रम, करखल, हरिद्वार द्वारा संचालित (सी.बी.एस.ई. से मान्यता प्राप्त) गुरुकुल किशनगढ़-घासेड़ा, रेवाड़ी, हरियाणा में सत्र २०१९-२० के लिए कक्षा ५वीं से ९वीं हेतु प्रवेश परीक्षा (छात्र-अभिभावक संवाद) दिनांक १५ मार्च से १५ अप्रैल, २०१९ तक प्रत्येक कार्यदिवस में प्रातः ९ बजे से २ बजे तक आयोजित की जाएगी।

विस्तृत जानकारी हेतु सम्पर्क करें- +91 9416347551, 8222889112, 8222889104, 8222889111 या website : www.gurukulrewari.com पर देखें ।

# पतंजलि योगपीठ परिवार द्वारा आयोजित कार्यक्रमों की मुख्य झलकियाँ

» पुलवाला हमले में शहीद वीर जवानों को पतंजलि योगपीठ परिवार की ओर से श्रद्धेय स्वामी जी महाराज एवं पूज्य आचार्य श्री, गणमान्य अधिकारियों एवं छात्र-छात्राओं एवं कर्मयोगियों भाई-बहनों द्वारा यज्ञ एवं कैंडल मार्च निकालकर श्रद्धांजलि दी ।

» नई दिल्ली विशेष कार्यक्रम SRCC बिजनेस कांक्लेव में श्रद्धेय आचार्य श्री महाराज द्वारा योग, आयुर्वेद, स्वदेशी, गो-संवर्धन, भारतीय संस्कृति एवं वैदिक शिक्षा पर उद्बोधन एवं आशीर्वाद।

» नोएडा विशेष कार्यक्रम में श्रद्धेय स्वामी जी महाराज एवं श्रीगोपाल कृष्ण अग्रवाल जी ( भाजपा प्रवक्ता ) द्वारा योग, आयुर्वेद एवं वैदिक शिक्षा के विस्तार हेतु बैठक ।

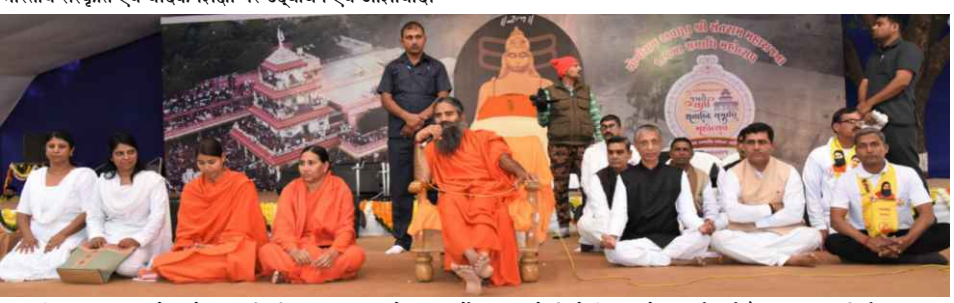

» नडियाल, गुजरात में श्रद्धेय स्वामी जी महाराज द्वारा योग, आयुर्वेद एवं स्वदेशी के विस्तार हेतु कार्यकर्ता बैठक एवं आशीर्वाद एवं छात्र-छात्राओं को योग से लाभ एवं स्वदेशी अपनाने के लिए संकल्पित भी किया ।

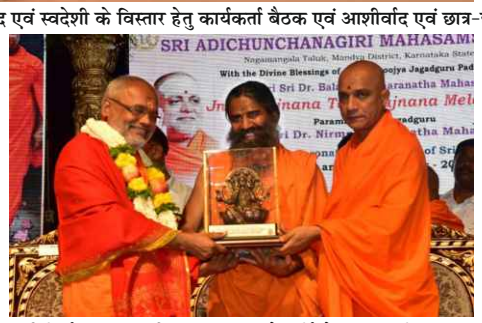

» मंडया, कर्नाटक में श्रद्धेय स्वामी जी महाराज को पीठाधीश्वर पूज्य स्वामी निर्मलानंद नाथ जी महाराज द्वारा छठें वार्षिकोत्सव पर अभिनन्दन।

» नारसन कलाँ ( रुड़की ) 81वाँ वार्षिकोत्सव आर्य समाज कार्यक्रम में श्रद्धेय स्वामी जी महाराज एवं पूज्य संतगण ।

» प्रयागराज कुम्भ में पूज्य स्वामी जी महाराज, श्री अमित शाह जी ( भाजपा-अध्यक्ष ), पूज्य स्वामी अवधेशानन्द गिरि जी महाराज, पूज्य स्वामी चिदानन्द मुनि जी महाराज, योगी आदितयनाथ जी ( मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश ), अखाड़ा परिषद से पूज्य नरेंद्र गिरि जी महाराज, पूज्य आचार्य महामण्डेश्वर श्री बलकानन्द जी महाराज ।

» श्रद्धेय आचार्य श्री द्वारा नेपाल राष्ट्र में योग-आयुर्वेद के विस्तार एवं वैदिक शिक्षा एवं गो-संवर्धन हेतु कार्यकर्ता बैठक एवं आशीर्वाद ।

» पतंजलि योगपीठ में आयोजित 11वाँ माघ पूर्णिमा में श्रद्धेय स्वामी जी महाराज द्वारा योगाभ्यास एवं पूज्य आचार्य श्री द्वारा श्री वैदिक धर्म शास्त्र विचारक श्री परमहँस शिवनारायण जी का अभिनन्द ।

» चिरांग ( असम ) में आचार्यकुलम् का वार्षिकोत्सव एवं गोशाला के उद्घाटन के अवसर पर पूज्य स्वामी जी महाराज, श्रद्धेय आचार्य श्री एवं गौ-संवर्धन में 1000 से अधिक किसानों को गो-दान, आचार्यकुलम् के छात्र-छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति एवं पतंजलि रिसच संस्थान द्वारा विषमुक्त कुदरती खेती पर रिसर्च कार्य का अवलोकन करते पूज्य स्वामी जी महाराज, श्रद्धेय आचार्य श्री एवं पूज्य स्वामी हरिचेतनानन्द जी महाराज ।

» नड़ियाद, गुजरात में साध्वी देवप्रिया जी का कार्यकर्ता बहनों के लिए विशेष योग शिविर सत्र ।

» साध्वी देवप्रिया जी एवं डॉ. जयदीप आर्य जी पूज्य स्वामी जी महाराज से आशीर्वाद लेते हुए।

» पतंजलि योगपीठ के कार्यक्रम में पूज्य स्वामी जी महाराज।

» झारखंड में योग, आयुर्वेद एवं स्वदेशी विस्तार हेतु श्री राकेश कुमार जी ( मुख्य केन्द्रीय प्रभारी ) द्वारा राज्य कार्यकरिणी बैठक लेते हुए।

स्वामी, सम्पादक, प्रकाशक व मुद्रक राकेश द्वारा ऋषि ऑफसैट प्रिन्टर्स, वेद मंदिर, अशोक टॉकीज के सामने, ज्वालापुर, हरिद्वार ( उत्तराखण्ड ) से छपवाकर 101, विद्या विहार कॉलोनी, कनखल, हरिद्वार-249408 ( उत्तराखण्ड ) से प्रकाशित किया। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र हरिद्वार होगा।

# » योग, आयुर्वेद एवं स्वदेशी क्रांति के बाद देश में शिक्षा की क्रांति के लिए एक.....

# जनांदोलन खड़ा करेगा पतंजलि

**1. भारतीय शिक्षा बोर्ड–शिक्षा में एक नई क्रांति–** १८३५ में मैकाले ने इंडियन एजुकेशन एक्ट बनवाकर एक बहुत बड़े षड्यन्त्र के तहत भारतीय ज्ञान परम्परा, गुरुकुलीय वैदिक शिक्षा पद्धति को खत्म किया। मैकाले के इस विद्या अपराध या शिक्षा के क्षेत्र में जो पाप पिछले लगभग २०० वर्षों से चल रहा है और हमें अपनी जड़ों से दूर करके वेद, दर्शन, उपनिषद् गीता, रामायण, महाभारत एवं पुराणादि की मूल्यनिष्ठ, आध्यात्मिक, नैतिक एवं वैज्ञानिक शिक्षा-दीक्षा एवं सनातन संस्कारों से वंचित कर दिया था; अब विज्ञान, गणित, कम्प्यूटर एवं अन्य श्रेष्ठतम आधुनिक शिक्षा के साथ वैदिक आध्यात्मिक शिक्षा का समावेश करके भारतीय शिक्षा बोर्ड के द्वारा शिक्षा के भारतीयकरण या स्वदेशीकरण का एक ऐतिहासिक कार्य प्रारम्भ हो गया है। भारत का प्रत्येक अभिभावक, माता-पिता यह चाहता है कि उसके बच्चे को श्रेष्ठतम आधुनिक वैज्ञानिक शिक्षा मिलने के साथ श्रेष्ठतम संस्कार मिलें। अपने देश, धर्म, संस्कृति एवं गौरवशाली इतिहास के बारे में सही जानकारी मिले, यह कार्य अब पतंजलि आप सबके आशीर्वाद एवं सहयोग से करेगा।

**2. शिक्षा, संस्कार एवं विचार की भूमिका–** जीवन में हम सफल-असफल, अच्छे-बुरे, सुखी-दुःखी, अमीर-गरीब, राष्ट्रवादी या आतंकवादी जो कुछ भी होते हैं, उसमे सबसे बड़ी भूमिका बचपन से मिले शिक्षा, संस्कार व विचार की होती है। शिक्षा आधार है हमारी नई पीढ़ी का, नये भारत के भविष्य का, हमारे दिशा एवं दशा का। हम भारत को विश्व का श्रेष्ठ एवं सर्वाधिक शक्तिशाली, राष्ट्र बनाना चाहते हैं तो वह शिक्षा के परिवर्तन से ही होगी, व्यवस्था परिवर्तन का आधार भी शिक्षा में परिवर्तन ही है। सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक, धार्मिक, आध्यात्मिक क्षेत्र से लेकर शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि एवं अनुसंधानादि समाज जीवन के हर क्षेत्र में जो कुछ भी आज हो रहा है, अच्छा या बुरा, उसका आधार शिक्षा आधारित संस्कार एवं विचार ही हैं। शिक्षा की दिशा सही होने से देश सभी दिशाओं से सब प्रकार से उन्नत होगा और भारत भारतीयता के संस्कारों व विचारों के साथ समृद्धि का शिखर आरोहण पाएगा।

**3. एक आह्वान–देश की युवा शक्ति से–** हमारा जीवन एक अमूल्य निधि है। हमें जीवन को समग्रता से देखते हुए इसकी दिशा तय करनी चाहिए कि जीवन की सर्वश्रेष्ठ उपयोगिता क्या हो सकती है? पतंजलि पिछले २४ वर्षों से धर्म, अध्यात्म, संस्कृति व स्वाभिमान के लिए प्रयासरत है। परम श्रद्धेय स्वामी जी महाराज की दिव्य प्रेरणाओं से सेवा का यह कार्य आज तक जितना आगे बढ़ पाया है, इसमें सम्पूर्ण देशवासियों की महत्त्वपूर्ण भूमिका है। प्रत्येक कार्य को अनवरत आगे बढ़ाने के लिए योग्य व्यक्तियों की जरूरत होती है। आज तक किसी भी राष्ट्र की उन्नति का मुख्य कारण इतिहास मे अंकित हुआ है, तो वह है युवाओं की दिशा और शिक्षा के क्षेत्र में किया गया मुख्य बदलाव और यदि किसी देश का पतन, धर्म, अध्यात्म, संस्कृति या सभ्यता का पतन भी देखा गया है, तो वह शिक्षा में आई गिरावट के कारण ही देखा गया है।

हमारे देश की महान् संस्कृति व सभ्यता करोड़ों वर्षों से अनवरत रही है, और इसका मुख्य कारण हमारी गुरुकुलीय शिक्षा व्यवस्था है। वर्तमान के परिप्रेक्ष्य में यदि देखें तो देश को सर्वाधिक आवश्यकता शिक्षा के क्षेत्र में मौलिक कार्य करते हुए आधुनिक शिक्षा के साथ-साथ हमारी परम्परागत शिक्षा को प्रदान करना है। इसके लिए महत्त्वपूर्ण कार्य पतंजलि योगपीठ द्वारा शुरू हुआ है। आज देश में एक हर्ष का विषय है कि पतंजलि इस दिशा में प्रामाणिक कार्य कर रहा है। श्रद्धेय स्वामी जी महाराज इस कार्य को सर्वाधिक प्राथमिकता देते हुए अधिक से अधिक संसाधन जुटाने का भगीरथ प्रयास कर रहे हैं। इसी के तहत जरूरत है ऐसे अमर हुतात्माओं की देश, धर्म, अध्यात्म व संस्कृति के लिए सर्वात्म न्यौछार करने की क्षमता रखने वाली क्रांतिकारियों की, जो आजीवन इस राष्ट्रधर्म का पालन करने का हौंसला रखते हों।

हमारी संस्कृति, धर्म, अध्यात्म व दर्शन का प्रचार हमारा परम दायित्व है। संस्कृत को जानने के लिए गुरुकुल में रहकर अध्ययन की आवश्यकता है। यह सत्य है कि गुरुकुल में धन की आवश्यकता होती है, लेकिन केवल धन होना किसी भी दृष्टि से पर्याप्त नहीं है, धन से साथ-साथ वैदिक धर्म ध्वजा को आगे ले जाने के लिए संकल्पित व समर्पित आत्माओं की जरूरत है, जो संस्कृत व्याकरण, दर्शन, उपनिषद्, वेद-वेदांगों का अध्ययन कर राष्ट्रसेवा का कार्य करेंगे। ऐसे सैकड़ों भाई-बहन माँ भारती की आजीवन सेवा का व्रत लेकर वैदिक गुरुकुलम् व वैदिक कन्या गुरुकुलम् में पूर्ण निष्ठा एवं श्रद्धापूर्वक अध्ययन-अध्यापन कर रहे हैं।

हमारे सभी क्रांतिकारी शहीदों ने अपने महान् जीवन के अन्तिम क्षणों में यह इच्छा व्यक्त की थी, कि वे पुनः इसी धरती पर जन्म लेंगे और माँ भारती की बलिवेदी पर तब तक न्यौछावर होते रहेंगे, जब तक माँ भारती की इन जंजीरों या बेड़िया को नष्ट नहीं किया जाएगा। आज देश में आप ही के मध्य वे क्रांतिकारी मौजूद हैं।

आज हमारा देश प्रगति कर रहा है, विदेशों की तरह भौतिक उन्नति भी कर रहा है, लेकिन इन सबके बीच भारत की पहचान व गौरव धर्म, दर्शन, अध्यात्म व संस्कृति भी अनवरत रहे, इसके लिए सैकड़ों योग्य भाई-बहनों की जरूरत है, जो इस क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का परिचय देकर माँ भारती की सच्ची सेवा करना चाहते हैं। इसके लिए **रामनवमी** के पावन अवसर पर पतंजलि योगपीठ, हरिद्वार में विशेष शिविर का आयोजन किया जा रहा है। भले ही आपने इससे पहले किसी भी क्षेत्र में अध्ययन किया हो, या सेवा दे रहे हों, राष्ट्र सेवा के इस यज्ञ में आहुति के लिए आप आमंत्रित है।

**» गुरुकुल शांति आश्रम में पांच दिवसीय विशेष प्रशिक्षण शिविर शुरू :**

**योग शिविर :**

## 'योगाभ्यास में समर्पण और निरंतरता जरुरी'

**लोहरगा (झारखण्ड)।** पतंजलि योग समिति, भारत स्वाभिमान न्यास के तत्वाधान में स्थानीय गुरुकुल शांति आश्रम में पाँच दिवसीय विशेष योग शिविर का शुभारम्भ आचार्य शरतचन्द्र आर्य द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। आचार्य शरत चन्द्र आर्य जी ने कहा कि योग का अभ्यास हरेक व्यक्ति को सर्म्पण और निरन्तरता के साथ करना चाहिए, क्योंकि आज के समय में योगाभ्यास, प्राणायाम, आहार-विहार नियंत्रण और संयम के बिना आप स्वास्थ नहीं रह सकते।

प्रशिक्षु जनों को जिला के मुख्य योग प्रशिक्षक प्रवीण भारती ने योगाभ्यास कराया और बताया कि भुजंगासन और मर्कटासन कमर की समस्या में अद्भुत लाभकारी है। आज अधिकांश व्यक्ति कमर दर्द की परेशानी से ग्रस्त हैं। हरेक व्यक्ति जो स्वस्थ जीवन जीना चाहता है और बीपी, शुगर, हृदयरोग, कैंसर का शिकार होकर असमय मौत से बचना चाहता है उसे योगभ्यास अवश्य करना चाहिए। योगाभ्यास के क्रम में मन की अवस्था, तनाव प्रबन्धन, उचित आहार विहार, विभिन्न रोगों में जड़ी-बूटी का सेवन के बारे में बताया गया। शिविर के अन्तिम दिन महत्वपूर्ण जड़ी-बूटियों का ज्ञान के साथ-साथ वितरण भी किया जाएगा। मुख्य रूप से आचार्य अर्जुनदेव, पतंजलि योग समिति जिला प्रभारी अभय भारती, युवा प्रभारी अंकित, प्रियंका, स्मृति, शिवराज, नितेश, निर्भय, अजित आदि उपसिथत थे।

**नेपाल भ्रमण:**

## श्रद्धेय आचार्य श्री ने किया नेपाल में .....

....शेष पेज नं. (1) का

उनके मंत्रीमंडल के साथ पतंजलि की योग व आयुर्वेद की गतिविधियों को व्यापकता के साथ आगे बढ़ाने के लिए चर्चा की। मुख्यमंत्री जी ने अपने प्रांत में औषधि अनुसंधान, जड़ी-बूटी अनुसंधान, योग व आयुर्वेद की शिक्षा हेतु पतंजलि से सहयोग की अपेक्षा की। इस अवसर पर श्रद्धेय आचार्य श्री ने कहा कि हम नेपाल में योग-आयुर्वेद के लिए कृतसंकल्प हैं। इसी कड़ी में श्रद्धेय आचार्य श्री ने रामपुर में नई गौशाला हेतु भूमिपूजन करते हुए लोगों को गौसंरक्षण व संवर्धन हेतु संकल्पित किया। उन्होंने कहा कि गौशाला हेतु पतंजलि ११ लाख रुपए की अनुदान राशि प्रदान करेगा।

सुनवल में मेयर, सामाजिक कार्यकर्ताओं व नागरिकों ने जनसभा आयोजित कर नेपाल में आचार्यकुलम् स्थापित करने का आग्रह किया।

स्वस्थ, सुखी व शान्तिमय जीवन के लिए योग सीखिए, रोज सुबह 5:00 से 8:00 बजे आस्था पर

**रक्तदान शिविर :**

## पतंजलि युवा संगठन की ओर से 41 यूनिट रक्तदान शिविर का आयोजन

**भण्डारी (भद्रक)।** भण्डारी पोखई ब्लॉक के अन्तर्गत छोटा शासन पंचायत के बहादुलनगर गाँव के विद्यालय परिसर में पतंजलि युवा भारत की ओर से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। पतंजलि युवा भारत के राज्य प्रभारी भाई पीताम्बर जी के नेतृत्व में रक्तदान शिविर का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन ए.एस. पी. श्री कैलाश चंद्र जी द्वारा हुआ। भद्रक बल्ड बैंक की ओर से रविनारयण, रतिकांत, बुद्धिया के सहयोग से ४१ यूनिट रक्त संग्रह किया गया। पतंजलि युवा भारत की ओर से आलोक, ओशक, नीलमणि, मानवचन्द्र, बादल, जगरनाथ, अभय एवं दीपक के सहयोग से शिविर का आयोजन है।

**योग शिविर :**

## योग–ध्यान के माध्यम से सरल जीवन

**होसपोट (कर्नाटक)।** 'योग और ध्यान इनके अभ्यास से केवल स्वास्थ्य लाभ ही नहीं बल्कि अमीर-गरीब का भेदभाव मिटाकर हर एक को सरल जीवन की ओर लौटाने का माध्यम भी सिद्ध होता है।' यह वक्तत्व था हंसाबा शारदाश्रम के अध्यक्ष माता प्रबोधमयी जी के कहा।

स्थानीय पतंजलि योग समिति के दशमानोत्सव के तहत होसपेट नगर के 'सहकारी गृह निर्माण मंडली' के मैदान में आयोजित एक बृहत् विराट योग शिविर का उद्घाटन करते हुए उन्होंने यह बात कहीं कि- 'हम सब को योग और ध्यान का अभ्यास एक सरल तथा उत्कृष्ट जीवन के आचार, विचार व्यवहार की ओर जीवन बिताने में सहायक होते हैं। ये उन्नत व उत्कृष्ण व्यवहार ही हमारे अन्दर सेवा भाव को जागृत कराके समाज, राष्ट्र और विश्व के प्रति कुछ योगदान करने का तड़प को उत्पन्न करते हैं। यह भाव अगर सभी के अन्दर आ जाये तो हमारे समाज व देश समृद्ध होने में पूरक होता है।' इसी दौरान कर्नाटक राज्य-प्रभारी श्री भंवरलाल आर्य जी ने कहा 'शुरुवात के समय यहाँ के पतंजलि समिति के योगाभ्यास करने के लिए कुछ गिनेचुने लोग ही आया करते थे। धीरे-धीरे होसपेट समित सारे बेल्लारि जिले के हजारों लोग योग से जुड़गये। योग को अपने जीवन के अविभाज्य अंग ही बनालिया। इन लोगों के सहयोग के फलस्वरूप में ही यहाँ के पतंजलि योग समिति अपने दशमानोत्सव मनाने में सफल हुवा है।' इस प्रकार वे अपनी मन का सन्तोष जाहिर किया।

इस सन्दर्भ में पतंजलि योग समिति के जिला प्रभारी एफ.टी. हल्लीकेरी, दाक्षायणी जी महिला समिति की राज्य प्रभारी, बालचंद्र राज्य प्रभारी, संघ के कार्यदर्शी अय्यप्पा जी, युवा भारत के राज्य प्रभारी किरण कुमार जी, कृष्ण जी, गोग्ग विश्वनाथ जी, एच.श्रीनिवास जी एवं श्रीपाद शेट्टी जी ये सब गण्यमान्य मंच पर उपस्थित थे। वहाँ सैकड़ों शिविरार्थी लोगों को योगाभ्यास भी कराया गया। इसी संदर्भ में 'योग विजय' नाम का एक स्मारिका पुस्तिका का विमोचन भी हुआ।

**राष्ट्रीय कौशल विकास योजना से ले रहे लाभ**

## योग शिक्षा व जैविक खेती में प्रशिक्षण लेने युवाओं ने भरे आवेदन...

**नेवरगाँव (मध्य प्रदेश)।** पतंजलि योगपीठ संस्थान व पतंजलि बायो रिसर्च संस्थान और भारत सरकार के राष्ट्रीय कौशल विकास योजना योग शिक्षा व जैविक कृषि का प्रशिक्षण संयुक्त रूप से शुरू करने जा रहा हैं पतंजलि योग से जुड़े सभी योग शिक्षकों को भारत सरकार स्किल इंडिया की ओर से प्रमाणित रूप में योग ट्रेनर व योग शिक्षक का प्रमाण-पत्र प्रदान करेगा। इसके लिए १०० से ज्यादा प्रतियोगियों ने आवेदन फर्म जमा किया है। यह जानकारी कार्यक्रम के संयोजक डेलीराम कावरे ने दी। उन्होंने बताया कि भारत स्वाभिमान द्वारा पूर्व ज्ञान के आधार पर पतंजलि योगपीठ के योग प्रशिक्षकों को ट्रेनिंग व परीक्षा के बाद योग शिक्षक का कौशल प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाएगा। इसी तरह जैविक खेती के क्षेत्र में पतंजलि कृषक समृद्धि योजना के तहत भारत सरकार स्किल इंडिया व पतंजलि बायो रिसर्च द्वारा जैविक किसानों को प्रशिक्षण के लिए ४० किसानों के समूह को कृषि के आवश्यक दस्तावेज सहित आवेदन मंगाए गये हैं। इन कृषकों जिला स्तर पर प्रशिक्षण देने के उपरान्त जैविक प्रमाणीकरण का कौशल प्रमाण-पत्र देने की योजना है। प्रशिक्षित जैविक कृषक भविष्य में जैविक बाजार तैयार करने में समर्थ होंगे। साथ ही युवक-युवतियों को महाविद्यालयों में योग प्रशिक्षण के कौशल विस्तार की कार्य योजना है। इस कार्यक्रम में सिवनी, मंडला, बालाघाट, प्रभारी गोविंद, जिला पतंजलि योग समिति जिला प्रभारी दशरथ बिसेन, भारत स्वाभिमान जिला प्रभारी अर्जुन सिंह सनोडिया, महिला जिला पतंजलि योग समिति जिला प्रभारी अनुसुईया, जिला योग प्रचारक सरिता बिसेन व जगदीश, किसान पंचायत व संवाद प्रभारी डॉ. भीकम जी व जिले भर से आए पतंजलि योग शिक्षक, सह शिक्षक उपस्थित थे।

## शोक संदेश

**पतंजलि एवं भारत स्वाभिमान परिवार के**

**श्री साहिल गाँधी जी** (विंग कमाण्डर) का फाइटर प्लेन दुर्घटना में दिनांक १० फरवरी, २०१९ में शहीद हो गये। आपकी माता जी पूज्य डॉ. सुदेश गाँधी पतंजलि परिवार की आजीवन सदस्य (हरियाणा) है।

**श्री शमशेर सिंह दहिया जी** (जिला-हिसार, हरियाणा) के पिता जी पूज्य श्री नानूराम जी का आकस्मिक स्वर्गवास दिनांक १० फरवरी, २०१९ को हो गया है।

**डॉ. श्याम किशोर रस्तोगी जी** (पूर्व जिला एवं सह-राज्य प्रभारी, भारत स्वाभिमान, सीतापुर उत्तर प्रदेश) का आकस्मिक स्वर्गवास दिनांक ०२ फरवरी, २०१९ को हो गया है।

**हम पतंजलि योगपीठ परिवार की ओर से शोक प्रकट करते हैं तथा सम्पूर्ण संगठन की ओर से दिवंगत आत्माओं के लिये सादर श्रद्धांजलि.....**

# नये भारत की पीढ़ी तैयार करेगा भारतीय शिक्षा बोर्ड

**वैदिक शिक्षा बोर्ड : बोर्ड पर पतंजलि योगपीठ प्रथम चरण में खर्च करेगा 25 करोड़ रुपये, योगर्षि स्वामी रामदेव जी महाराज के सपनों का संसार होगा भारतीय "शिक्षा बोर्ड"**

हरिद्वार। भारतीय शिक्षा बोर्ड योगर्षि स्वामी रामदेव जी महाराज के सपनों का संसार होगा। देश की पुरातन और आधुनिक शिक्षा को जोड़कर इस बोर्ड के माध्यम से नये भारत की पीढ़ी तैयार की जाएगी। पतंजलि योगपीठ इस कार्य के लिए प्रथम चरण में २१ से २५ करोड़ रुपये तक खर्च करेगी। देश के तमाम आचार्यकुलम् और शिक्षण केन्द्र इस वैदिक बोर्ड से जोड़े जाएंगे।

गौरतलब है कि केन्द्र सरकार ने सीबीएसई बोर्ड की तर्ज पर श्रद्धेय स्वामी जी महाराज के भारतीय शिक्षा बोर्ड को मान्यता दे दी है। अब इस बोर्ड से स्कूल संबद्ध हो सकेंगे। पतंजलि योगपीठ के महामंत्री पूज्य आचार्य बालकृष्ण जी महाराज ने बताया कि लम्बे समय से ऐसे बोर्ड की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। जो भारत के प्राचीन और आधुनिक ज्ञान को समन्वित करे। देश में ऐसे सैकड़ों संस्थान और गुरुकुल हैं, जो भारत की प्राचीन विद्याओं की पढ़ाई कराते हैं। दुर्भाग्य से इनमें पढ़ने वाले छात्र उच्च संस्थानों में प्रवेश नहीं ले पाते हैं। इस संस्थानों के छात्रों का प्रवेश इंजीनियरिंग, प्रबंधन और मेडिकल कॉलेजों में नहीं हो पाता है। इसके लिए ऐसे बोर्ड की आवश्यकता थी, जो पुरानी और नई दोनों विधाओं का समन्वय कर शिक्षा दे सके। अब भारतीय वैदिक शिक्षा बोर्ड इस दिशा में सार्थक भूमिका निभाएगा।

### » वेद विद्या और विज्ञान दोनों की होगी पढ़ाई –

पूज्य आचार्य बालकृष्ण जी महाराज ने बताया कि यह देश का ऐसा पहला बोर्ड होगा जो विज्ञान, गणित, भूगोल, इतिहास, वेद, दर्शनशास्त्र, संस्कृत, कला, प्राकृति ज्ञान आदि को एक साथ पाठ्यक्रम के रूप में पढ़ाएगा। समूचे देश के शिक्षण संस्थान इस बोर्ड से जुड़ सकेंगे। यह बोर्ड सीबीएसई की तरह १२वीं कक्षा तक के लिए एक शैक्षणिक मॉडल तैयार करेगा। पूज्य आचार्य श्री ने विश्वास जताया कि भारत को स्वर्णिम भविष्य की ओर ले जाने के लिए इस बोर्ड से जुड़े शिक्षण संस्थान महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेंगे। मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अंतर्गत पूर्ण वित्त घोषित यह स्वायत्त संस्था वेद विद्या और विज्ञान के ज्ञान को जोड़कर छात्रों के सम्मुख एक पाठ्यक्रम के रूप में प्रस्तुत करेगी। बोर्ड का मुख्यालय कहां रहेगा, इनका निर्धारण शीघ्र कर लिया जाएगा।

# उद्घाटन : पाकिस्तान के तीन टुकड़े करना जरुरी

**परिधान स्टोर का शुभारम्भ करने आए श्रद्धेय स्वामी जी महाराज ने कहा**

रायपुर (छत्तीसगढ़)। पंडरी स्थित छत्तीसगढ़ के पहले पतंजलि परिधान के राजधानी में शो-रूम का शुभारम्भ योगर्षि स्वामी रामदेव जी महाराज ने किया। एक ही छत्त के नीचे ३५०० से अधिक एककेयू कि विशाल वैरायटी व शादी-विवाह के लिए १००० विशेष डिजाईन के साथ पुरुषों, महिलाओं और बच्चों के लिए स्वास्थ्य और फिटनेस को ध्यान में रखते हुए कई डिजाईन व फैब्रिक यहाँ उपलब्ध करवाई गई है। इस दौरान श्रद्धेय स्वामी जी महाराज ने कहा कि पतंजलि परिधान का यह भारत में ९वां शोरूम है। इसके वस्त्रों में देश के कारीगरों के हुनर का सम्मान भी जुड़ा हुआ है, और भारत को स्वावलम्बी, आत्मनिर्भर, एक स्वाभिमान राष्ट्र बनाने का संकल्प इस पतंजलि परिधान के पीछे है। एक छत के नीचे आस्था, संस्कार और लिव फीट ब्रैंड शामिल है। यहां के उत्पादों में बिना किसी हिंसा के लेदर का विकल्प भी लाया गया है, जो दिखने में बिल्कुल लेदर जैसा, लेकिन उससे भी बेहतर है। पतंजलि परिधान के कपड़े विदेशी कपड़ों की तुलना में २ से ३ गुना अधिक सस्ते है, वहीं इसकी क्वालिटी, डिजाईन भी विदेशी से यह बेहतर है। विदेशी कपड़े भारत में ही निर्मित होते है। ऐसे में कपड़ा हमारा, स्टांप विदेश क्यों.....?। पतंजलि परिधान में लोग भारत और भारतीयता का दर्शन कर सकते है। उन्होंने कहा कि आज छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती है पर इस पतजंलि परिधान की सौगात हम छत्तीसगढ़ को दे रहे है। जिसे लोग खासा पसंद करेंगे।

- राम मंदिर पर न्याया-लय से आशा नहीं।
- पाकिस्तान पर ३ तरफ से करनी होगी घेराबंदी।

**अर्थ से परमार्थ तक**

पतंजलि का कांसेप्ट है अर्थ से परमार्थ तक। स्वदेशी का अभियान महात्मा गांधी जी ने ही शुरू किया था। महात्मा गाँधी की खादी सब्सिडी से चल रही थी। हमारा स्वदेशी अभियान है। इसलिए हमने पूरे देश में यह अभियान शुरू किया है। देश के अन्य कई बड़े शहरों में हम यह स्टोर खोलने जा रहे है।

# प्रेस वार्ता : आतंकवाद खत्म करने के लिए अब देश को उठाना होगा कड़ा कदम : स्वामी जी महाराज

नोएडा (एन.सी.आर.)। जम्मू कश्मीर के पुलवामा में जिस तरह हमारे ४४ सीआरपीएफ जवानों की शहादत हुई है, उससे देश में आतंकवाद को लेकर जबरदस्त प्रतिशोध है। देश को एकजुट होकर माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी से यह कहना होगा कि अब हाफिज सईद और मसूद अजहर जिंदा नहीं बचने चाहिए। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में जितने भी आतंकवादी शिविर चल रहे हैं, उनको ध्वस्त करने के लिए रणनीति बननी चाहिए। मैं देश का नागरिक पहले हूँ। उसके बाद संन्यासी हूँ। राष्ट्र धर्म से बड़ा कोई धर्म नहीं होता। ये बातें श्रद्धेय स्वामी जी महाराज ने सेक्टर-१८ में आयोजित नोएडा डायलॉग कार्यक्रम में कहीं। नोएडा के विकास और शहर की असीम संभावनाओं को लेकर दो दिवसीय नोएडा डायलॉग का आयोजन १५ व १६ फरवरी को किया जा रहा है। इसका आयोजन भाजपा राष्ट्रीय प्रवक्ता गोपाल कृष्ण अग्रवाल ने किया। श्रद्धेय स्वामी जी महाराज ने कार्यक्रम में दीप प्रज्ज्वलन के बाद पुलवामा में शहीद हुए जवानों के लिए मौन रखा। उन्होंने कहा कि नोएडा डायलॉग के माध्यम से जो विजन डाक्यूमेंट तैयार हो वह केवल एक डाक्यूमेंट ही बन कर न रह जाए, बल्कि उसको लागू करने के लिए नोएडा डायलॉग की टीम को प्रयास करने होंगे। इस दौरान नोएडा प्राधिकरण के महाप्रबंधक राजीव त्यागी, विजय सक्सेना, केंट आरओ के चेयरमैन, नोएडा एंटरप्रेन्योर्स एसोसिएशन विपिन मल्हन मौजूद रहे।

–साभार: दैनिक जागरण*

**सामूहिक कार्य का कुम्भ एक बेहतरीन उदाहरण:**

"श्रद्धेय स्वामी जी महाराज ने कहा कि सामूहिक तौर पर शुरू की गई पहल अपना असर जरूर दिखाती है। कुम्भ हम सब के लिए एक बेहतरीन उदाहरण है। प्रतिदिन लाखों की संख्या में लोग यहां आते हैं, लेकिन आपको कहीं भी कूड़ा नहीं दिखेगा। "

**प्रधानमंत्री का 99% काम देश बनाने का :**

"श्रद्धेय स्वामी जी महाराज ने कहा कि सामूहिक तौर पर शुरू की गई पहल अपना असर जरूर दिखाती है। कुम्भ हम सब के लिए एक बेहतरीन उदाहरण है। प्रतिदिन लाखों की संख्या में लोग यहां आते हैं, लेकिन आपको कहीं भी कूड़ा नहीं दिखेगा। "

# श्रद्धांजलि : शहीद के परिवार को श्रद्धेय स्वामी जी महाराज ने दी मदद, पुलवामा हमले में हुई थी 'शहादत'

गुवाहटी (असम)। योगर्षि स्वामी रामदेव जी महाराज असम के बकसा पहुँचे, जहाँ उन्होंने शहीद मुनेश्वर बासुमतरी जी के परिवार से मुलाकात की। योगर्षि स्वामी रामदेव जी महाराज एवं पूज्य आचार्य बालकृष्ण जी महाराज एवं सम्पूर्ण पतंजलि परिवार की ओर से शहीद के परिवार को २.५ लाख रुपये की सहयोग राशि एवं एक गाय दी।

शहीद मुनेश्वर बासुमतरी बीते १४ फरवरी को पुलवामा आतंकी हमले में शहीद हुए थे। जैश के इस हमले में सीआरपीएफ के ४० से ज्यादा जवान शहीद हो गये थे।

# सम्मेलन : योग के गुर सिखायें शिखर सम्मेलन में

■ मैं कभी कोई सम्मान नहीं लूंगा लेकिन जिन संन्यासियों ने देश को बनाने में योगदान दिया उन्हें भारत रत्न क्यों नहीं मिला। 'लोग दो से ज्यादा बच्चे पैदा ना करें, दो से ज्यादा बच्चे वालों को चुनाव लड़ने पर रोक लगे। दो से ज्यादा बच्चे हों तो सरकारी सुविधाएं न मिलें।ज्यादा बच्चे पैदा करना कोई बहादुरी का काम नहीं है।'

■ आंतरिक कालाधन पर काम हुआ है लेकिन विदेशों में जो कालाधन है उसके लिए जो प्रयास होने चाहिए वो नहीं हुए। कालाधन की वजह से आतंकवाद फैलता है। 'राम वोटबैंक नहीं हैं, वो राष्ट्र के पुर्वज हैं। राम मंदिर के साथ साथ राम और सीता जैसा चरित्र भी बनना चाहिए। रामलला टेंट में है ये हमारा दुर्भाग्य है, ये हमें शर्मसार करने वाला है। ये राम का अपमान है। बीजेपी को राम मंदिर पर अपना वादा निभाना चाहिए।'

■ मुसलमानों के पूर्वज हिंदू थे, ४०० साल पहले दुनिया में इस्लाम था ही नहीं। हम मजहब बदल सकते हैं, पुर्वज नहीं। ओवैसी अपनी राजनीति चमका रहे हैं, मैंने ये बात देवबंद में कही तो मौलानाओं ने ताली बजाई थी। 'जब अस्तित्व का संकट आ जाए तब युद्ध के अलावा और कोई रास्ता नहीं है। अगर सरदार पटेल को प्रधानमंत्री बनाया होता तो ये कश्मीर की समस्या ही नहीं होती।'

■ मोदी को पराक्रम दिखाना होगा, एक्शन होना चाहिए इसके अलावा कोई विकल्प नहीं है। १०-२० दिन में बड़ा एक्शन होने वाला है। पाकिस्तान का प्रधानमंत्री इमरान खान सेना की कठपुतली है। पाकिस्तान के साथ-साथ अब चीन को भी सबक सिखाने की जरूरत है, इसके लिए चीन बने उत्पादों का बहिष्कार करना होगा। सत्ता में बैठे लोग तब तक बड़ा कदम नहीं उठाते जब तक इनके सामने मजबूरी नहीं होती। 'भारत ऐसा देश बने जहाँ पाकिस्तान आंख उठाकर भी ना देख पाए। हाफिज सईद और अजहर मसूद को ७२ हूरों वाली जन्नत में पहुँचा देना चाहिए। युद्ध के अलावा कोई रास्ता नहीं, जवाब नहीं दिया तो भारत लाचार दिखेगा। बिना क्रांति के शांति नहीं आती है।'

**–परम पूज्य स्वामी रामदेव जी**


## प्रवेश सूचना वैदिक गुरुकुलम्, पतंजलि योगपीठ हरिद्वार में प्रवेश हेतु

जो युवक-युवतियाँ आजीवन ब्रह्मचारी रहकर अपना पूरा जीवन देश, धर्म व संस्कृति एवं मानवता की सेवा तथा भगवान के लिए अर्पित करना चाहते हैं, और परम श्रद्धेय योगर्षि स्वामी रामदेव जी महाराज एवं परम पूज्य आचार्य बालकृष्ण जी महाराज के पावन मार्गदर्शन में तथा अन्य प्रामाणिक आचार्यगणों के पावन सान्निध्य में रहकर व्याकरण शास्त्र, दर्शन शास्त्र एवं वेद-वेदांगों की शिक्षा-दीक्षा पाकर स्वयं ऋषियों की तरह पूर्ण प्रज्ञावान बनकर अपने महान् पूर्वज ऋषि-ऋषिकाओं की भांति पूरे विश्व में भारतीय संस्कृति का प्रचार-प्रसार करना चाहते हैं ऐसे सभी युवा पतंजलि के वैदिक गुरुकुलम् व वैदिक कन्या गुरुकुलम् में प्रवेश हेतु **राम नवमी** के पावन अवसर पर **दिनांक** ७ से १४, अप्रैल २०१९ पतंजलि योगपीठ, द्वितीय चरण में होने वाले शिविर में आप सादर आमंत्रित हैं। **प्रवेश हेतु** आप अपने साथ सभी शैक्षणिक प्रपत्र की कॉपी एवं ३ पासपोर्ट साइज फोटो अवश्य लाएं। **शैक्षिक योग्यता:-** १०वीं व १२वीं पास तथा स्नातक व परास्नातक। यदि आप अपनी संतानों को ऋषियों जैसे बनाना चाहते हैं तो तुरंत संपर्क करें। वैदिक गुरुकुलम्, हरिद्वार सम्पर्क सूत्र: **9557531234, 8979010504, 8954890269** ईमेल– **info@vaidicgurukulam.org**

## पतंजलि की राष्ट्र को समर्पित सेवाएं

**लगभग 11 हजार करोड़ रुपये के चैरिटेबल कार्य पतंजलि ने देश के लिए किये हैं। कृपया एक बार इसको स्वयं गंभीरता-पूर्वक पढ़ें तथा इस सदेश को दूसरों से भी शेयर करके पतंजलि के योगदान के बारे में बताएं।**

### विश्व के 5 श्रेष्ठतम संस्थान

पतंजलि ने इन्हें बनाकर भारत का गौरव पूरी दुनिया में बढ़ाया:

- योग का विश्व का सर्वश्रेष्ठ संस्थान– **पतंजलि योगपीठ** के द्वारा देश व दुनिया के 100 करोड़ लोगों तक तथा घर–घर तक योग पहुंचाया, करोड़ों लोगों को योग, आयुर्वेद, भारतीय संस्कृति व स्वदेशी का संदेश देकर उनको रोगमुक्त, तनाव मुक्त, नशा–मुक्त किया। आहार, विचार व व्यवहार में एक दिव्य सात्विक रूपांतरण किया।
- योग, आयुर्वेद व वैदिक अनुसंधान के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ संस्था– **पतंजलि रिसर्च सेन्टर** में 500 साइंटिस्ट काम कर रहे हैं, जो एनिमल ट्रायल से लेकर ह्यूमन ट्रायल तक ड्रग डिस्कवरी का काम करके, एक एविडेंस बेस्ड मेडिसीन के रूप में आयुर्वेद को स्थापित कर रहे हैं।
- आयुर्वेद के क्षेत्र में– **पतंजलि आयुर्वेद एवं दिव्य फार्मेसी,**
- प्राकृतिक चिकित्सा के क्षेत्र में– **पतंजलि योगग्राम व निरामयम्,**
- वेद विद्या व योग के क्षेत्र में– **पतंजलि विश्वविद्यालय, पतंजलि गुरुकुलम्** एवं **आचार्यकुलम्** में हजारों विद्यार्थियों को शिक्षा एवं संस्कार देकर देश के लिए तैयार कर रहे हैं तथा लाखों देशभक्त प्रतिभावान विद्यार्थी तैयार करने की योजना व संकल्प है। ऋषियों के सच्चे उत्तराधिकारी, आचार्य व वेदों के विद्वान संन्यासी बनाने का कार्य भी पतंजलि कर रहा है।

### स्वदेशी से स्वावलम्बी भारत

2 लाख लोगों को प्रत्यक्ष रूप से रोजगार

- 1 करोड़ किसानों के जीवन में सुधार
- स्वदेशी ब्राण्ड का गौरव खड़ा करके विदेशी कंपनियों का श्रेष्ठ विकल्प देश को देकर यह स्वाभिमान देश में जगाया कि 'मेड इन भारत' भी सर्वश्रेष्ठ हो सकता है।

### विश्व के श्रेष्ठतम व विशालतम संगठन

योग सेवा से मानव सेवा व राष्ट्र सेवा हेतु **पतंजलि योग समिति, महिला पतंजलि योग समिति, भारत स्वाभिमान, युवा भारत, पतंजलि किसान सेवा समिति व हाग्रो स्वाभिमान** इन संगठनों के माध्यम से **1 लाख से अधिक निःशुल्क योग कक्षाएं** देश में चल रही हैं। **10 लाख योग शिक्षक, 1 करोड़ कार्यकर्ता व करोड़ों योग साधकों** द्वारा स्वस्थ, संस्कारवान, योगी–निरोगी, उपयोगी और श्रेष्ठ नागरिक तैयार करने की विनम्र सेवा की है। अनेक जनआंदोलन देश में चलाएं हैं।

### मातृभूमि की कृतज्ञतापूर्ण सेवा

**26/11** के मुम्बई हमले के शहीदों का सम्मान व पुलवामा में शहीद हुए सैनिकों के साथ–साथ अन्य शहीदों के बच्चों के लिए भी पतंजलि शीघ्र ही एक आवासीय विद्यालय बनाने जा रहा है। प्राकृतिक आपदाएं जैसे– बिहार बाढ़, उत्तराखण्ड, केरल, नॉर्थ ईस्ट में बाढ़ की त्रासदी से लेकर नेपाल भूकम्प आदि में सर्वप्रथम व सर्वश्रेष्ठ निष्काम सेवा,

एक लाख से अधिक गोवंश की सेवा व भारतीय नस्ल के गोवंश की नस्ल सुधार,

कुदरती खेती, लघुउद्योग, ग्रामोद्योग एवं

गरीब विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति आदि

सैकड़ों सेवा के कार्य आप सबके सहयोग व आशीर्वाद से पतंजलि ने किए हैं। ये सब करने का सामर्थ्य आपने दिया, इसके लिए हम आपके कृतज्ञ हैं तथा आपके निरन्तर सहयोग व समर्थन के लिए आह्वान करते हैं।


**पतंजलि योगपीठ संस्थान के महत्वपूर्ण ई–मेल**

| | |
|---|---|
| संवाद विभाग | sampark.samvad@bharatswabhimantrust.org |
| बायोरिसर्च इंस्टीट्यूट | info@patanjalibio.com |
| भारत स्वाभिमान में दान हेतु | bstfinance@divyayoga.com |
| पतंजलि योगपीठ में दान देने हेतु | donation@divyayoga.com |
| स्वदेश स्वाभिमान समाचार पत्र | swadeshswabhiman@bharatswabhimantrust.org |

ई०ओ० नागपुर स्पार्क सम्मेलन में :

# व्यापार सम्मेलन में पतंजलि के स्वदेशी के आंदोलन का दर्शन

## » दक्षिण एशिया की जानी मानी व्यापारी हस्तियों द्वारा नागपुर में आयोजित ई.ओ. स्पार्क व्यापार सम्मेलन में परम पूज्य योगर्षि स्वामी रामदेव जी महाराज के विशेष साक्षात्कार के कुछ महत्त्वपूर्ण अंश –

### क्या आप साइंटिस्ट संन्यासी है ?

मैं तंत्र-मंत्र-यंत्र-षड्यंत्र, शनि, राहु, केतु, भूत, प्रेत, वास्तु, ज्योतिष के नाम पर एक बार भी कभी भी, किसी भी प्रकार का अंधविश्वास नहीं फैलाता।देश में जातिवाद और संप्रदायवाद को नहीं फैलाता। मैं जहाँ भी काम करता हूँ- चाहे वह योग है, आयुर्वेद है, स्वदेशी है, शिक्षा, कृषि या अनुसंधान जहाँ भी मैं काम करता हूँ, साइंटिफिक एप्रोच के साथ करता हूँ। आज हिन्दूस्तान में हमने दो लाख लोगों को रोजगार दिया, एक करोड़ से ज्यादा किसानों को अपने साथ जोड़ा। हमने विश्व के पाँच बड़े इन्स्टीट्यूट दिये हैं, जिसमें विश्व का सबसे बड़ा योग का इन्स्टीट्यूट है, वह भी सांइटिफिक रिसर्च के साथ। विश्व का सबसे बड़ा फूड पार्क, विश्व का सबसे बड़ा योग आयुर्वेद का अनुसंधान संस्थान, विश्व का सबसे बड़ा प्राकृतिक चिकित्सा का केन्द्र और विश्व का सबसे बड़ा पारम्परिक व आधुनिक शिक्षा जो जोड़ने वाला पतंजलि विश्वविद्यालय। हमने ये पाँच बड़ी देन देश को दी हैं।

### क्या आप हैं कि आपने इनमें बड़ी सफलता प्राप्त की ? क्या पहले लोगों ने इसे ट्राई नहीं किया ? क्या आजकल स्वदेशी में ज्यादा विश्वास है ?

काम बहुत ज्यादा अलग-अलग नहीं होते। आप उस कार्य को कितने जुनून से करते हैं और क्या उसमें वैल्यू एडिशन है, नई पीढ़ी के साथ, नये संसार के साथ आपका जुड़ाव कैसा है, इस पर निर्भर करता है। मैंने योग का वैल्यू एडिशन किया, मुझसे पहले पूर्वज ऋषि तो सभी योगी थे, बीच में धीरेन्द्र ब्रह्मचारी जी ने भी किया, लेकिन कोई योगी देश-दुनिया में पूज्य स्वामी रामदेव जी महाराज की तरह लोकप्रिय नहीं हो पाया। लागों ने योग को बहुत जटिल सा बना दिया था। मैंने रहस्य की सारी पर्तें हटाई और योग को त्वरित उपचार (इंस्टेंट ट्रीटमेंट) के रूप में प्रस्तुत किया। अभी करो, अभी पाओ। योग से रक्तचाप, मधुमेह, थाइराइड, हेपेटाइटिस, कोलाइटिस, सोराइसिस आदि ठीक कर दिये। मैंने योग को सरलीकृत (सिम्प्लिफाइड) किया। आधुनिक विज्ञान जिसे लाइलाज बता रहा था, मैंने उसे क्योर कर दिया। उसके सांइटिफिक एवीडेंस है। दुनियां में जो नहीं हुआ, वह मैंने योग के द्वारा किया। विश्व का सबसे बड़ा फूड पार्क हमने बनाया, उसमें भी हमने मूल्य संवर्धन (वेल्यु एडिशन) किया है। नो एडल्टेशन, अधिकतम जितना हो सके प्राकृतिक, जैविक और खासकर कम मूल्य पर उच्च गुणवत्ता की वस्तुएँ तैयार कीं।

आज तक किसी भी बाबा ने कोई रिसर्च सेंटर नहीं बनाया, हमने वह बनाया और प्रधानमंत्री जी से उद्घाटन करवाया। जिससे दुनिया का ध्यान जाएं कि मैं झोपड़ी में रहता हूँ, जमीन पर सोता हूँ, लेकिन मैं सांइटिफिक रिसर्च इनोवेशन इन्वेंशन में भरोसा रखता हूँ। और वेल्थ का प्रोसेस क्या है? जब आपका नॉलेज, इनोवेशन इन्वेंशन प्रोडक्टिविटी, क्रियेटिविटी और आपके पास में जो कुछ भी है, चाहे आपके पास शक्ति है या आपकी कमियाँ, कमजोरियाँ है या जो भी उत्तम है, उन सबको आप वेल्थ में कैसे कन्वर्ट कर सकते हैं। तो इसके लिए जो आज तक किसी ने नहीं सोचा, फोकस नहीं किया, वह हमने सोचा और करके दिखाया। क्योंकि केवल सोचने से बात नहीं बनती, उसको निरन्तर तब तक आगे बढ़ाया, जब तक वह सफलता के शिखर पर नहीं पहुँच गया।

### सूत्रों के अनुसार आप पतंजलि को चाइना लेकर जा रहे हैं, क्या प्लान है आपका वहाँ ?

चाइना ही नहीं पूरी दुनिया में लेकर जा रहे हैं, ब्रिटेन भी लेकर जा रहे हैं, यूरोप में लेकर जा रहे हैं और इंग्लैण्ड बहुत सारा माल हमसें लूट कर लेकर गया, कुछ काटकर हम भी लेकर आएंगे।

### आपको लगता है ऐसे मॉर्केट्स है वहाँ ? और चाइना की सरकार भी आपके साथ है जमीन दे रही है ?

पूज्य आचार्य बालकृष्ण जी महाराज पिछले दिनों जब चाइना गए, तो दस हजार एकड़ देने का उन्होंने प्रस्ताव दिया है। पतंजलि योगपीठ जैसा एक पूरा सेंटर बनाकर देने का प्रपोजल उन्होंने दिया है।

### आप इस तरह कैसे कहेंगे, कि आप मल्टीनेशनल से अलग है ?

यह आप किसी से भी पूछ सकते हैं कि पतंजलि और MNC's में क्या अन्तर है? वो रोजगार के नाम पर, कुछ सिक्रेट रॉ मैटीरियल भेजने के नाम पर, प्रोफिट के नाम पर हर साल लाखों-करोड़ों रुपये देश के बाहर लेकर जाती है। करीब ५० लाख करोड़ की अर्थव्यवस्था पर विदेशी कम्पनियों का कब्जा है। पतंजलि लो-प्रोफिट पर काम करती है, उसमें भी १०० प्रतिशत चैरिटी की जाती है। हमारा यह संकल्प, विजन या प्रिंसिपल है कि हमारा अर्थ परमार्थ के लिए है। विदेशी कम्पनियों की बात छोड़ो, बिरला, डालमिया आदि कोई भी हो आए मैदान में और बताएं कि क्या उनका १०० प्रतिशत प्रोफिट चैरिटी के लिए होता है।

दूसरी बात, हम लो-प्रोफिट वाले बिजनेस को सफल करना जानते हैं। इसलिए पतंजलि ने सबसे बड़ा फूड पार्क बनाया, आज तक कोई भी कॉपोरेट फूड बिजनेस में सफल नहीं हो पाया था।

तीसरी बात, मैं मात्र एक आर्थिक साम्राज्य खड़ा करने वाला संन्यासी नहीं हूँ। मैंने देश के करोड़ों लोगों को रोग मुक्त किया है। करोड़ों लोग को नशामुक्त किया है, करोड़ों के जीवन में आशा और विश्वास जगाया है, आत्मस्पर्धा और आत्म-प्रेरणा से आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया है। सबसे बड़ी बात है कि विदेशीं कम्पनियों के सामने कोई देशी ब्राण्ड भी खड़ा हो सकता है, देशवासियों में यह विश्वास जगाया है। यह अन्तर है MNC's और पतंजलि में।

### आपने शिक्षा में भी अपना ब्राण्ड स्थापित करने के प्लान्स बनाये हैं। आप कहते हैं कि भारत की ग्लोबल यूनिवर्सिटी होनी चाहिए, क्या कहेंगे आप ?

अभी करीब १० हजार बच्चों को शिक्षा-दीक्षा दी है। मैं हिन्दुस्तान में अच्छे डॉक्टर देखना चाहता हूँ, अच्छे इंजीनियर, अच्छे सांइटिस्ट्स, अच्छे पॉलिटीशियन, अच्छे कॉपोरेट देखना चाहता हूँ और अच्छे संन्यासी भी बना रहा हूँ।

मैं एक सपना लेकर जी रहा हूँ कि जब ८५ लाख की आबादी वाला इजराइल देश विश्व में एक मजबूत देश बनकर खड़ा है और सारी दुनिया उसका लोहा मानती है, तो मैं भारत में भी ऐसे नागरिक तैयार करना चाहता हूँ जो भारत को पूरे विश्व में सशक्त बनाने में अग्रसर हों। इसलिए हमने एक हजार एकड़ जमीन ले ली है, और आने वाले समय में पतंजलि का अधिकतम करीब ७०-८० प्रतिशत लाभांश उसी के लिए जाएगा। इसमें २०-२५ साल लग सकते है। मैं जहाँ तक पहुँचा हूँ, वह भी २०-२५ सालों में पहुँचा हूँ, एक दिन में नहीं। अगले बीस सालों में मैं विश्व की सर्वश्रेष्ठ यूनिवर्सिटी भारत को दूँगा, जिसमें एक लाख बच्चें पढ़ सकेंगे और भारत के बच्चे जो पढ़ने के लिए अमेरिका, आस्ट्रेलिया, अमेरिका, ब्रिटेन जा रहे हैं, उन्हें नहीं जाना पड़ेगा। बल्कि दुनिया के लोग भारत में पढ़ने के लिए आएंगे, वह दिन मैं देखना चाहता हूँ। जैसे भारत के लोग विदेशी दूतावासों के सामने वीजा के लिए लाईन में लगते हैं, मैं वो दिन देखना चाहता हूँ जब भारत के दूतावासों में विदेशी लोग लाईन में खड़े हो और हम चयन करें कि कौन यहाँ पढ़ने के लिए आएगा।

### विदेशी भाषा के बारे में आपका एक व्यू है, क्या आपको लगता है कि भारत में विदेशी भाषा और विदेशी विश्वविद्यालय कम प्रचलित होनी चाहिए ?

मेरी पहली प्राथमिकता हिंदी भाषा है, फिर संस्कृत है। मैं तमिल, तेलगु, कन्नड़, मलयालम, मराठी, गुजराती, बांग्ला आदि कम से कम २५ भाषाओं को समझता हूँ और पाँच भाषाओं में बोलना जानता हूँ, लेकिन मैं कहता हूँ कि अपनी भाषा पर गर्व करें और यही होना चाहिए। सांइस और टेक्नॉलोजी भाषा से नहीं ब्रेन (मस्तिष्क) से आती है। कोरियन लोगों ने अपनी कोरियन भाषा में अपने अनुसंधान व अध्ययन किये। जापान, इटली, फ्रांस, जर्मनी और चाइना के लोगों ने भी अपनी स्वयं की भाषा में रिसर्च किए हैं।

### जैसे आपने कहा कि योग वैश्विक स्तर पर स्वीकृत है, योग दिवस भी मनाया जा रहा है, आपको क्या लगता है कि आने वाले समय में लोग योग के कंसेप्ट को कैसे ग्रहण करेंगे, ऐसे समय पर जब बहुत सारे लोग प्रदूषण, फिटनेस और स्वास्थ्य के कारण से जागरूक हो रहे है ?

प्रदूषण एक बहुत बड़ी चुनौती है या यूँ कहें कि पूरे विश्व की सबसे बड़ी चुनौती और क्राइसेस प्रदूषण ही है। स्वच्छ प्राकृतिक वातावरण हमारे सामने सबसे बड़ा चुनौती है और आगे वाले समय में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और डाटा ये तीनों बड़ी चुनौतियाँ हमारे सामने रहेंगी। डाटा कोलोनाइजेशन और आर्टिफिशियल इंटेलीजेंसी के नाम पर कोलोनाइजेशन होगा और प्रकृति व वातावरण का विध्वंस होगा। इससे बचने के लिए हमें सोचना पड़ेगा। मैं इस दिशा में भी सोचता हूँ।

### आपने डेटा कोलोनाइजेशन के बारे में बोला, आजकल की हेडलाइन्स भी है। भारत चाहता है कि हमार डेटा (Localy store) रहना चाहिए, आप क्या कहेंगे ? यह काम अभी तक क्यूँ नहीं हुआ ?

ऐसा होना चाहिए। फेसबुक, ट्विटर, व्हाट्स-एप से भी बड़ी चीजें हम हिन्दुस्तान में खड़ी कर सकते है। लोग कहते है बाबा आप यह कर दो। मैं ही करूँगा, तो तुम क्या करोगे सब? चाइना ऐसा कर भी रहा है। भारत में ऐसा अभी तक इसलिए नहीं हुआ कि लोग यह सोचते है कि ये (कम्पनियाँ) इतनी बड़ी है, इनके सामने हम खड़े केसे हो पाएंगे। यह एक विघ्न और दीवार है, मैं इसे ढ़हाना चाहता हूँ। मैं तुम्हारे सामने हूँ, अनपढ़ माँ-बाप के घर में पैदा हुआ, सरकारी स्कूल और गुरुकुल में पढ़कर आया और जब इन विदेशी कम्पनियों से भी बड़ा ब्राण्ड देश में खड़ा कर दिया तो तुम्हारी ताकत इसमें नहीं है कि तुमने किस विदेशी कम्पनी में कितना बड़ा पद (ओहदा) पा लिया है या किसी दूसरी कम्पनी के लिए जॉब वर्क करते हो। नहीं, तुम्हारी ताकत यह है कि हिन्दुस्तान में साइंस, टेक्नॉलोजी, इन्नोवेशन, इन्वेन्शन, प्रोक्डशन, मैन्यूफैक्चरिंग, किसी भी क्षेत्र में हो, तुम दुनिया में सर्वश्रेष्ठ कर सकते हो, लेकिन उसके लिए कुछ पागल लोग चाहिए..... मेरे जैसा।

### नया ब्राण्ड खड़ा करने के लिए क्या करें ?

आपको नये ब्राण्ड खड़ा करने के लिए नया करना पड़ेगा। मैंने नई-नई चीजों को खोजा और उन्हें लगातार प्रचलित किया, ऐसे नहीं कि एक कार्य चालू किया फिर दूसरा चालू कर दिया और पहला छोड़ दिया। जब तक लौजिकल क्लोजिंग तक नहीं पहुँच जाओ, तब तक अपने काम में लगे रहो। एक दिन तुम दुनिया का सबसे बड़ा आर्थिक साम्राज्य खड़ा कर लोगे। आर्थिक, राजनेतिक, सामाजिक, धार्मिक क्षेत्र में सफलता का सबसे बड़ा आधार निरंतरता ही है। सब लोग केमिकल वाले टूथपेस्ट कर रहे थे, केमिकल वाले शैम्पू प्रयोग करते थे। हमने दन्तकांति और केशकांति जैसे आयुर्वेदिक उत्पाद दिये। मैंने एलोविरा का ब्रांण्ड खड़ा कर दिया। जो किसान राजस्थान की बंजर भूमि में एक एकड़ में पाँच-दस हजार की भी पैदावार नहीं कर पाते थे। ५० हजार से १ लाख रुपये प्रतिवर्ष एक एकड़ में श्रद्धेय स्वामी रामदेव जी महाराज और पूज्य आचार्य बालकृष्ण जी महाराज और पतंजलि उन किसानों को देता है एवं सैकड़ों करोड़ रुपये हम किसानों के घर में हर साल सीधा एलोविरा के माध्यम से पहुँचाते हैं। जिनको चारों वेदों के नाम नहीं पता, उन्हें भी वेदशक्ति निकालना पड़ा। अब MNC's को ऐलोविरा उतारना पड़ा। देश में फ्रूट जूस बहुत पीते थे, मैंने देश को आँवला-ऐलोविरा के रूप में मेडिकेटेड जूस पीना सिखाया। मैंने कड़वी गिलोय का जूस पीना सिखा दिया, जिससे डेंगू, स्वाईन फ्लू, चिकनगुनिया, शुगर, बी.पी. आदि कण्ट्रोल होता है। मैं आपके सामने हूँ, पिछले चालीस साल से एक भी बार बीमारी नहीं हुआ।

### क्या आप आपने आपको बिजनेस मैन मानते है ?

मैं १०० प्रतिशत आध्यात्मिक व्यकित (Spiritual Man) हूँ। लेकिन अपने सामाजिक, धार्मिक, आध्यात्मिक और राष्ट्री यह लक्ष्यों को पाने के लिए और अपने इस पूरे मिशन को आत्मनिर्भर बनाने के लिए आर्थिक साम्राज्य खड़ा किया हैं।

### एक बिजनेस मैन अपने जीवन में योग का लाभ कैसे ले सकता है ?

यदि आपको बहुत अच्छा बिजनेस करना है तो पहले तो अपने आपको संभालना आना चाहिए। जो अपने आपको नहीं संभाल पाता है वह बिजनेस को क्या संभाल पाएगा। योग करने से आपके शरीर पर, मन पर, भावनाओं और क्रियाओं पर एवं दिमाग पर नियंत्रण आएगा। ६५-६६ प्रतिशत आपका ज्ञान, भावनाएँ और शक्ति सुप्त अवस्था में रहती है, योग से आप उसको जागृत कर सकते है, इसलिए प्रतिदिन योग जरूर करें।


## प्रवेश सूचना पतंजलि गुरुकुलम्, पतंजलि योगपीठ हरिद्वार में प्रवेश हेतु

परम पूज्य योगऋषि स्वामी रामदेव जी महाराज तथा आयुर्वेद शिरोमणि श्रद्धेय आचार्य बालकृष्ण जी महाराज के मार्गदर्शन में वैदिक संस्कृति को पुनः प्रतिष्ठापित करने हेतु शिक्षा के क्षेत्र में अभिनव क्रांति "पतंजलि गुरुकुलम् आवासीय शिक्षण संस्थान" द्वारा पतंजलि योगपीठ फेस-२, हरिद्वार में ७ से १४ अप्रैल तक विद्यार्थी संस्कार शिविर का आयोजन किया जा रहा है। कक्षा-५, सत्र २०१६-२० में प्रवेश हेतु इच्छुक छात्र-छात्राएं विद्यार्थी संस्कार शिविर में सम्मिलित हो सकते हैं। विद्यार्थी संस्कार शिविर में चयनित छात्र-छात्राएं "पतंजलि गुरुकुलम्" में प्रवेश ले सकेंगे

**प्रवेश के लिए अहर्ताएँ :** (१). विद्यार्थी की आयु १ अप्रैल २०१६ को ६ से ११ वर्ष के बीच होनी चाहिए। (२). शिविर में प्रतिभागी बनने हेतु छात्र-छात्रा के २ पासपोर्ट साईज फोटो तथा आधार-कार्ड की छायाप्रति तथा माता-पिता अपना आधार कार्ड व अन्य पहचान पत्र साथ अवश्य लेकर आयें। (३). शिविर में प्रतिभाग करने हेतु २५०० रुपये शिविर शुल्क "संस्कृत गुरुकुलम्" के नाम से पंजाब नेशनल बैंक, बहादराबाद, हरिद्वार में बैंक अकाउंट 4871000100121056, IFSC Code: PUNB0487100 में १५ फरवरी २०१६ तक जमा कर अपना स्थान सुनिश्चित करें।

**प्रवेश हेतु अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें :** 9068565307, 7302895128, 7302745112, 9068565319, 9068565320, 7302745114 E-mail: mail@patanjaligurukulam.org Website: www.patanjaligurukulam.org

पतंजलि योगपीठ फेस-२, हरिद्वार में ७ से १४ अप्रैल तक विद्यार्थी संस्कार शिविर का आयोजन किया जा रहा है। वैदिक गुरुकुलम् व वैदिक कन्या गुरुकुलम् में प्रवेश हेतु **राम नवमी** के पावन अवसर पर **दिनांक ७ से १४ अप्रैल २०१६** तक होने वाले शिविर में आप सादर आमंत्रित है


श्रद्धांजलि :

# स्वतंत्रता सेनानी रामशरण आर्य द्वारा दिखाये मार्ग पर चलकर देश सेवा में भागीदारी निभाएं।

करनाल (हरियाणा)। करनाल के प्रतिष्ठित स्वतंत्रता सेनानी की ५वीं पुण्य स्मृति पर भारत विकास परिषद अभिमन्यु शाखा, पतंजलि योग समिति व प्रख्यात वोकेशनल एजुकेशन देने वाले संस्थान आई.सी.ई. कम्प्यूटर शिक्षण संस्थान द्वारा स्वतंत्रता सेनानी रामशरण आर्य राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय प्रेमनगर में स्वर्गीय रामशरण आर्य की पुण्यतिथि पर २१ होनहार बेटियों को मैडल देकर सम्मानित किया गया।

उल्लेखनीय है कि इस विद्यालय में गांव देहात के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों की एडमिशन अधिकतर होती है। इसी भाव को ध्यान में रखते हुए ४ छात्राओं रुचि, शिवानी, अमीशा व रशिठा को ५००-५०० रुपये नकद छात्रवृत्ति भी प्रदान की गईं वयोवृद्ध स्वतंत्रता सेनानी जिन्होंने अपने जीवन काल में शहीद-ए-आजम भगत सिंह के पिता के साथ एवं महात्मा गांधी जी के साथ उनके नेतृत्व में जंगे आजादी को आगे बढ़ाया ऐसे वयोवृद्ध स्वतंत्रता सेनानी राष्ट्रपति सम्मानित स्वर्गीय रामशरण आर्य के पुत्र ओमप्रकाश अंशु वरिष्ठ अधिवक्ता एवं नोटरी पब्लिक करनाल तथा पतंजलि योग समिति के जिला अध्यक्ष भाई दिनेश जी ने स्वतंत्रता सेनानियों व शहीद वीर जवानों के जीवन पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर रामशरण के पौत्र हरिन्द मोहन चौधरी स्कूल के बेटियों को निःशुल्क कम्प्यूटर शिक्षा प्रदान करने की घोषणा की। स्कूल को पीने के पानी को प्रॉपर व्यवस्था हेतु कैम्पर व विद्यालय की स्वच्छता हेतु डस्टबीन भी भेंट किए गये। कार्यक्रम में अभिमन्यु शाखा अध्यक्ष मणिका चोपड़ा, सुदेश गोसांई, कमलेश, सुमित, सुभाष व वरिष्ठ समाज सेवी रजनीश चोपड़ा मौजूद रहे।

-साभारः करनाल केसरी*